

1000203 - A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर
कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे]

[अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 11 हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

- (i) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं — क, ख, ग और घ।
- (ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए।

5

हमारे देश में एक ऐसा भी युग था जब नैतिक और आध्यात्मिक विकास ही जीवन का वास्तविक लक्ष्य माना जाता था। अहिंसा की भावना सर्वोपरि थी। आज पूरा जीवन-दर्शन ही बदल गया है। सर्वत्र पैसे की हाय-हाय तथा धन का उपार्जन ही मुख्य ध्येय हो गया है, भले ही धन-उपार्जन के तरीके गलत ही क्यों न हो? इन सबका असर मनुष्य के प्रतिदिन के जीवन पर पड़ रहा है। समाज का वातावरण दूषित हो गया है- बाह्य वातावरण तो दूषित है ही; आज सब जानते हैं कि पर्यावरण की समस्याएँ कितनी चिंतनीय हो उठी है! इन सबके कारण मानसिक और शारीरिक तनाव- खिंचाव और व्याधियाँ पैदा हो रही हैं।

(1) आज के जीवन के विपरीत हमारे देश में कभी ऐसा भी युग था।

1

(क) जब राजनीति तथा अवैज्ञानिकता के विकास पर बल दिया जाता था।

(ख) जब नैतिक तथा आध्यात्मिक विकास पर बल दिया जाता था।

(ग) जब भौतिक तथा मौलिक विकास पर बल दिया जाता था।

(घ) जब धार्मिक तथा मार्मिक विकास पर बल दिया जाता था।

(2) 'जीवन-दर्शन' शब्द में कौन सा समास है?

1

(क) द्वन्द्व

(ख) कर्मधार्य

(ग) तत्पुरुष

(घ) अव्ययीभाव.

(3) धन के उपार्जन के विषय में आज दृष्टिकोण हो गया है-

1

(क) गलत या सही- कैसे भी हो अधिकाधिक धन कमाना।

(ख) सही ढंग से अधिकाधिक धन कमाना।

(ग) आलसी बनकर अधिकाधिक धन कमाना।

(घ) मन में सपने देखकर अधिकाधिक धन कमाना।

(4) बाहरी तथा आंतरिक कारणों से जीवन हो गया है-

1

(क) तनावग्रस्त

(ख) गृहस्थ

(ग) मस्त

(घ) खुशहाल

(5) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है-

1

(क) नैतिक विकास

(ख) आध्यात्मिक विकास

(ग) धनोपार्जन

(घ) बदलते युग की समस्याएँ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तरों से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5

चलना मनुष्य का स्वभाव है। पानी भी चलता है, हवा भी चलती है, समय भी चलता है और मनुष्य भी चलता है। प्राचीन समय में एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचने के लिए मनुष्य मीलों पैदल यात्रा करता था। कई बार यात्रा इतनी लंबी हो जाती थी कि वर्षों लग जाते थे, मार्ग में यात्री बीमार होकर मर भी जाते थे, फिर पालकियों का प्रयोग किया जाने लगा। इन्हें चार लोग उठाते थे, मगर रास्ते में चलते-चलते थके लोगों की जगह लेने के लिए आठ या बारह लोग साथ में चलते थे। पालकियों का प्रयोग स्त्रियों के लिए किया जाता था। पहिए के आविष्कार ने मनुष्य का जीवन ही बदल दिया। इसके आविष्कार से सर्वप्रथम बैलगाड़ी द्वारा यात्रा सुगम व सस्ती होने लगी। धीरे-धीरे इसी पहिए से मशीन से चलने वाली गाड़ियाँ सड़कों पर दौड़ने लगी।

3. निम्नलिखित पद्धांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए। 5

जिस-जिससे पथपर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद ।

जीवन अस्थिर, अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल कहीं

सीमित पग - डग, लंबी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते सम्मुख चलता पथ का प्रमाद

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।

जो साथ न मेरा दे पाए उनसे कब सूनी हुई डगर
मैं भी न चलूँ यदि तो भी क्या राही मर, लेकिन राह अमर
इस पथ पर वे ही चलते हैं जो चलने का पा गए स्वाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।

(1) कवि के अनुसार जीवन कैसा है ?

1

- (क) कवि के अनुसार जीवन खुशहाल है
- (ख) कवि के अनुसार जीवन बदहाल है
- (ग) कवि के अनुसार जीवन नश्वर है, चंचल है, क्षण-भंगुर है
- (घ) कवि के अनुसार जीवन अमर है

(2) जीवन रूपी यात्रा में अनुभव आते हैं -

1

- (क) यात्रा के
- (ख) सुख के
- (ग) दुःख के
- (घ) सुख-दुःख और प्रमाद के

(3) जीवन रूपी डगर पर कौन चलते हैं ?

1

- (क) जो मजबूर होते हैं
- (ख) जो मजदूर होते हैं
- (ग) जिनको चलने में आनंद मिलता है
- (घ) जिनको कुछ पाना रहता है

(4) कवि किसको धन्यवाद करता है ?

1

- (क) जन्म देने वाले को
- (ख) शिक्षा देने वाले को
- (ग) धन देने वाले को
- (घ) स्नेह देने वाले को

(5) इस पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है -

1

- (क) जीवन रूपी यात्रा
- (ख) कर्म रूपी यात्रा
- (ग) धर्म रूपी यात्रा
- (घ) मर्म रूपी यात्रा

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए।

5

मृदु मिट्टी के है बने हुए
मधु-घट फूटा ही करते हैं,
लघु जीवन लेकर आए हैं,
प्याले टूटा ही करते हैं,
फिर भी मदिरालय के अंदर
मधु के घट हैं, मधु प्याले हैं,
जो मादकता के मारे हैं,

वे मधु लूटा ही करते हैं,
 वह कच्चा पीने वाला है,
 जिसकी ममता घट प्यालों पर,
 जो सच्चे मधु से जला हुआ
 कब रोता है, चिल्हाता है
 जो बीत गई, सो बात गई।

- | | |
|---|---------------------------------|
| (1) 'मृदु मिट्टी के हैं बने हुए' का अर्थ है - | 1 |
| (क) कोमल मिट्टी से बने हुए | (ख) काली मिट्टी से बने हुए |
| (ग) पत्थर से बने हुए | (घ) कठोर मिट्टी से बने हुए |
| (2) अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है - | 1 |
| (क) मृदु मिट्टी | (ख) मधु-घट |
| (ग) मधु प्याले | (घ) ममता घट |
| (3) 'मादकता के मारे' का यहाँ आशय है - | 1 |
| (क) प्रेम और आनंद चाहने वाले | (ख) प्रेम और विद्रोह चाहने वाले |
| (ग) प्रेम और दुख चाहने वाले | (घ) प्रेम और घृणा चाहने वाले |
| (4) 'कच्चा पीनेवाला' का अर्थ है - | 1 |
| (क) जीवन की समझ रखने वाला | (ख) जीवन की चाह रखने वाला |
| (ग) जीवन की चाह न रखने वाला | (घ) जीवन की समझ न रखने वाला |
| (5) इस पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है - | 1 |
| (क) जो बीत गई सो रात गई | (ख) जो बात गई सो बीत गई |
| (ग) जो बीत गई सो बात गई | (घ) जो बात गई सो रात गई |

खंड 'ख'

5. (क) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में अकर्मक क्रिया प्रयुक्त हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1
- | | |
|-----------------------|----------------------------------|
| (i) राम दूध पीता है। | (ii) वह नौकर को तनख्वाह देता है। |
| (iii) गीता दौड़ती है। | (iv) सीता पुस्तक पढ़ती है। |
- (ख) 'ड्राइवर बस चला रहा है।'
- उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित क्रियाओं का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1
- | | |
|---------------------|-----------------------|
| (i) अकर्मक क्रिया | (ii) सकर्मक क्रिया |
| (iii) अपूर्ण क्रिया | (iv) द्विकर्मक क्रिया |
- (ग) निम्नलिखित विकल्पों से अकर्मक क्रिया का सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1
- | | |
|--------------|---------------|
| (i) पढ़ा | (ii) पढ़ा |
| (iii) पढ़ाना | (iv) कोई नहीं |

- (घ) निम्नलिखित वाक्यों में किस वाक्य में सहायक क्रिया प्रयुक्त हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1
- (i) मोहन ने पुस्तक पढ़ ली है। (ii) उसने खाना खाया।
 (iii) वह बाजार गया। (iv) राम ने पत्र पढ़ा।
8. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषणों के भेद दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1
- (क) वह बहुत अधिक चालाक है।
 (i) परिमाण वाचक (ii) गुणवाचक
 (iii) संख्यावाचक (iv) सार्वनामिक
- (ख) कुछ बच्चे चंदा माँगने आए हैं। 1
 (i) सार्वनामिक (ii) संख्या वाचक
 (iii) निश्चित संख्या वाचक (iv) अनिश्चित संख्या वाचक
- (ग) वहाँ कोई पाँच सौ खिलाड़ी होंगे। 1
 (i) निश्चित परिमाण वाचक (ii) गुण वाचक
 (iii) परिमाण वाचक (iv) अनिश्चित संख्या वाचक
- (घ) उस कलम को उठा लाओ। 1
 (i) संख्यावाचक (ii) गुणवाचक
 (iii) निश्चयवाचक सार्वनामिक (iv) अनिश्चयवाचक सार्वनामिक
9. निम्नलिखित वाक्यांशों में दिए गए स्थानों को विकल्पों में दिए गए क्रिया विशेषणों से सही विकल्प चुनकर भरिए। 4
- छोटू ने सुरंग में _____ (क) _____ प्रवेश किया। उनकी पूरी कॉलोनी ही जमीन के _____ (ख) _____ बसी थी। केशव _____ (ग) _____ सूरत बनाकर बोला। श्यामा ने _____ (घ) _____ पूछा, तो क्या चिड़िया ने अंडे गिरा दिए, अम्मा जी।
- | | | |
|-------------------|----------------|---|
| (क) (i) तेजी से | (ii) धीरे से | 1 |
| (iii) दिल्ली से | (iv) शहर से | |
| (ख) (i) नीचे | (ii) पीछे | 1 |
| (iii) बीच में | (iv) ऊपर | |
| (ग) (i) बौनी सूरत | (ii) मौनी सूरत | 1 |
| (iii) शान्त सूरत | (iv) रोनी सूरत | |
| (घ) (i) डरते-डरते | (ii) चलते-चलते | 1 |
| (iii) घूमते-घूमते | (iv) करते-करते | |

खंड 'ग'

10. पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत जादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिढ़ी-पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया गया होगा, और अंत में कस्बे के इकलौते हाईस्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर - मान लीजिए मोतीलाल जी - को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने-भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

जैसा की कहा जा चुका है, मूर्ति संगमरमर की थी। योपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फूट ऊँची। जिसे कहते हैं बस्ट। और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिली चलो' और 'तुम मुझे खुन दो' वगैरह याद आने लगते थे।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए।

5

(i) शहर के प्रमुख बाजार के चौराहे पर नगरपालिका किस नेता की प्रतिमा लगवाना चाहती थी ?

1

(क) चन्द्रशेखर आजाद की (ख) सरदार भगत सिंह की

(ग) सुभाषचंद्र बोस की (घ) महात्मा गांधी की

(ii) मोतीलालजी कौन है ?

1

(क) हाईस्कूल के हिंदी मास्टर (ख) हाईस्कूल के अंग्रेजी मास्टर

(ग) हाईस्कूल के गणित मास्टर (घ) हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर

(iii) 'मूर्ति बनाकर पटक देने' से तात्पर्य है -

1

(क) दो महिने में ही मूर्ति तैयार कर देना (ख) एक महिने में ही मूर्ति तैयार कर देना

(ग) तीन महिने में ही मूर्ति तैयार कर देना (घ) पाँच महिने में ही मूर्ति तैयार कर देना

(iv) मूर्ति किस चीज से बनी थी ?

1

(क) संगमरमर (ख) मिट्टी

(ग) चीनी मिट्टी (घ) सीमेंट

(v) मूर्ति को देखकर याद आने लगती थी -

1

(क) दिली चलो (ख) लखनऊ चलो

(ग) कानपुर चलो (घ) इलाहाबाद चलो

अथवा

आषाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेंढ़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झांकार-सी कर उठी। यह क्या है - यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे

हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर। बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करनेवालों की अँगुलियाँ एक अजीब ऋम से चलने लगती हैं। बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए।

- | | |
|---|-------------------------------|
| (i) समूचा गाँव खेतों में कब उत्तर पड़ा है? | 1 |
| (क) भादौ की रिमझिम में | (ख) चैत्र की रिमझिम में |
| (ग) क्वार की रिमझिम में | (घ) आसाढ़ की रिमझिम में |
| (ii) बालगोबिन भगत अपने खेत में क्या कर रहे हैं? | 1 |
| (क) रोपाई | (ख) कटाई |
| (ग) बिनाई | (घ) मढ़ाई |
| (iii) 'पृथ्वी' के दो समानार्थी शब्द हैं - | 1 |
| (क) सूर्य, रवि | (ख) रजनी, निशाकर |
| (ग) नदी, सरिता | (घ) भूमि, वसुंधरा |
| (iv) बच्चे खेलते हुए कब झूम उठते हैं? | 1 |
| (क) जब बालगोबिन भगत गाते हैं | (ख) जब बालगोबिन भगत नाचते हैं |
| (ग) जब बालगोबिन भगत घूमते हैं | (घ) जब बालगोबिन भगत पढ़ते हैं |
| (v) 'झंकार-सी' में अलंकार है - | 1 |
| (क) अनुप्रास | (ख) उपमा |
| (ग) रूपक | (घ) उत्प्रेक्षा |

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए।

$2 \times 5 = 10$

- | | |
|---|---|
| (i) भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त की? | 2 |
| (ii) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? | 2 |
| (iii) लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं? | 2 |
| (iv) पान वाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए। | 2 |
| (v) खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक कहा जा सकता है। आपने नवाबों की ओर भी सनकों और शौक के बारे में पढ़ा-सुना होगा। किसी एक के बारे में लिखिए। | 2 |

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिजिए।

5

‘ऊधौ तुम हौ अति बड़भागी ।

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।

पुरुद्दिन पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।

ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।

प्रीति-नदी मैं पाडँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी ।

“सूरदास” अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ।

- (i) गोपियों ने किस के प्रति अपनी अनन्यता प्रकट की है? 1
(ii) ‘अति बड़भागी’ में निहित व्यंग्य-भाव को स्पष्ट किजिए? 1
(iii) कमल के पत्ते की कौन-सी विशेषता पद में बताई गई है? 1
(iv) गोपियों ने स्वयं को ‘भोरी’ क्यों कहा है? 1
(v) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण छाँटकर लिखिए। 1

अथवा

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई।

साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई।

माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई।

जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्रीब्रजदूलह ‘देव’ सहाई॥

- (i) श्रीकृष्ण के पाँव में क्या है? 1
(ii) श्रीकृष्ण के वस्त्र किस रंग के है? 1
(iii) कवि को उनके चेहरे पर मुस्कान किस प्रकार की प्रतीत हो रही है? 1
(iv) कवि ने किस की जय-जयकार की है? 1
(v) श्रीकृष्ण के माथे की शोभा किस से बढ़ी है? 1

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए।

5

- (i) गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्घव को उलाहने दिए हैं? 2
(ii) आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में ‘अभी समय भी नहीं’ कवि ऐसा क्यों कहता है। 2
(iii) कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है? 1

अथवा

14. 'माता का आँचल' पाठ के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

5

अथवा

सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर क्या चिंता और बदहवासी दिखाई देती है? वह किस मानसिकता का प्रमाण है?

खंड 'घ'

पत्र-लेखन

15. आपका एक मित्र विदेश में रहता है। उसे ग्रीष्मावकाश के दौरान भारत के किसी पर्वतीय क्षेत्र में भ्रमण हेतु आमन्त्रित करते हुए पत्र लिखिए।

5

अथवा

सार्वजनिक पार्कों की समुचित सफाई न होने पर सफाई कर्मचारियों की शिकायत करते हुए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

5

16. नीचे दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निबंध लिखिए।

5

विषय : समय का सदुपयोग

समय जीवन है - समय का सदुपयोग - समय का नियोजन - सफलता में समय की भूमिका।

अथवा

विषय : टी.वी. बरदान या अभिशाप

5

विवाद का विषय - ज्ञानवृद्धि - पाठ्यक्रम संबंधी कार्यक्रम - हानियाँ - निष्कर्ष।

- o O o -